पाठ – फूल और काँटा

व्याख्या और शब्दार्थ -

1 – हैं जनम लेते जगत में एक ही,
एक ही पौधा उन्हें है पालता।
रात में उन पर चमकता चांद भी,
एक ही–सी चांदनी है डालता।

शब्दार्थ –

1. जगत – संसार
2. पालता – पालना, पालन-पोषण करना
3. एक ही–सी – एक समान
4. चांदनी – चाँद की रौशनी

व्याख्या – कवि फूल और काँटे का उदाहरण देते हुए कहता है कि फूल और काँटे एक ही संसार में जन्म लेते हैं अर्थात एक ही जगह पैदा होते हैं। एक ही पौधा उन्हें पालता है अर्थात एक ही पौधे पर दोनों का पालन-पोषण होता है। रात होने पर भी चाँद एक सामान उन पर चमकता है अर्थात चाँद को रौशनी भी दोनों पर एक समान बराबर मात्रा में पड़ती है। कहने का आशय यह है कि एक समान परिवेश व वातावरण मिलने पर भी फूल और कांटें का स्वभाव अलग-अलग होता है।

2 – मेह उन पर है बरसता एक–सा,
एक–सी उन पर हवाएं हैं वहीं।
पर सदा ही यह दिखाता है समय,
ढंग उनके एक–से होते नहीं।

शब्दार्थ –

1. मेह – वर्षा
2. वहीं – बहना
3. सदा – हमेशा
4. ढंग – स्वभाव अथवा व्यवहार

व्याख्या – कवि फूल और काँटे का उदाहरण देते हुए कहता है कि बरसात का पानी भी फूल और काँटों पर एक समान बराबर बरसता है और हवाएँ भी बिना किसी भेदभाव के एक समान दोनों पर असर करती हैं। परन्तु सब कुछ एक समान मिलने पर भी समय दिखाता है कि दोनों के स्वभाव और व्यवहार में बहुत फर्क होता है। कहने का आशय यह है कि एक समान पालन-पोषण होने पर भी दोनों का स्वभाव और व्यवहार अलग-अलग होता है।

3 – छेद कर कांटा किसी की उंगलियां,
फाड़ देता है किसी का वर वसन।
और प्यारी तितलियों का पर कतर,
भौंर का है वेध देता श्याम तन।

शब्दार्थ –

1. वर – श्रेष्ठ, सुंदर
2. वसन – वस्त्र, कपडे
3. पर – पँख
4. कतर – कतरना, कांटना
5. भौंर – भँवरा
6. वेध – घायल
7. श्याम – काला
8. तन – शरीर

व्याख्या – कवि काँटे के हानिकारक स्वभाव का वर्णन करता हुआ कहता है कि काँटा किसी की भी उँगली में चुभ जाता है। किसी के भी सुन्दर व अच्छे कपड़ों में फंस कर उन्हें फाड़ देता है। सुन्दर और प्यारी तितलियों के नाजुक पंखों को भी काट सकता है और काले भँवरों के शरीर को भी घायल कर सकता है। कहने का आशय यह है कि काँटों का स्वभाव हानिकारक है।

4 – फूल लेकर तितलियों को गोद में,
भौंर को अपना अनूठा रस पिला।
निज सुगंधी औ' निराले रंग से,
है सदा देता कली दिल की खिला।

शब्दार्थ –

1. अनूठा – सुंदर, अच्छा, बढ़िया
2. निज – अपनी
3. सुगंधी – सुगंध
4. निराले – सुन्दर
5. सदा – हमेशा
6. कली दिल की खिला – प्रसन्न कर देना

व्याख्या – कवि फूल के स्वभाव का वर्णन करता हुए कहता है कि काँटों के स्वभाव के विपरीत फूल तितलियों को अपनी गोद में ले लेता है और भँवरों को भी अपना अच्छा व बढ़िया रास पिलाता है। अपनी सुगंध और रंग-बिरंगे रंगों

से फूल हमेशा ही दिल में ख़ुशी की कली खिला देता है। कहने का आशय यह है कि फूल के कोमल स्वभाव व सुगंध से दिल खुश हो जाता है।

5 – खटकता है एक सबकी आंख में,
दूसरा है सोहता सुर सीस पर।
किस तरह कुल की बड़ाई काम दे,
जो किसी में हो बड़प्पन की कसर।

शब्दार्थ –

1. खटकता – चुभना, अच्छा न लगना
2. सोहता – शोभित होना,
3. सुर – देवता, सज्जन
4. सीस – सिर
5. कुल – वंश
6. बड़ाई – बड़े होने की अवस्था या भाव, बड़ापन
7. काम – कार्य
8. बड़प्पन – श्रेष्ठ होने का गुण या भाव, श्रेष्ठता, महत्व, गौरव
9. कसर – नुकसान, घाटा, द्वेष, वैर

व्याख्या – कवि फूल और काँटे का उदाहरण देते हुए कहता है कि काँटा सभी को चुभता है इसलिए सभी को बुरा लगता है। दूसरी और फूल सभी को अच्छा लगता है और देवता व् सज्जन लोगों के सिर पर शोभा देता है। कवि कहते हैं कि यदि किसी व्यक्ति के स्वभाव व् व्यवहार में बड़प्पन की कमी हो तो उसे उच्च कुल भी उसकी प्रतिष्ठा को नहीं बचा सकता। कहने का आशय यह है कि बड़प्पन आपके स्वभाव में ही दिखता है न की आपके वंश व् प्रतिष्ठित खानदान से।

पाठ से

मेरी समझ से

(क) कविता के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों का सटीक उत्तर कौन-सा है? उनके सामने तारा (★) बनाइए। कुछ प्रश्नों के एक से अधिक उत्तर भी हो सकते हैं।

प्रश्न 1. कविता में काँटे के बारे में कौन-सा वाक्य सत्य है?

- काँटा अपने आस-पास की सुगंध को नष्ट करता है।
- काँटा तितलियों और भौरों को आकर्षित करता है। काँटा उँगलियों को छेदता है और वस्त्र फाड़ देता है।
- काँटा पौधे को हानि पहुँचाता है।

उत्तर:

- काँटा उँगलियों को छेदता है और वस्त्र फाड़ देता है। (★)

प्रश्न 2. कविता में फूल और काँटे में समानताओं और विभिन्नताओं का उल्लेख किया गया है। निम्नलिखित में से कौन-सा वाक्य इन्हें सही रूप में व्यक्त करता है?

- फूल सुंदरता का प्रतीक है और काँटा कठोरता का।
- फूल और काँटे के बारे में लोगों के विचार समान होते हैं।
- फूल और काँटे एक ही पौधे पर उगते हैं, लेकिन उनके स्वभाव भिन्न होते हैं।
- फूल और काँटे को समान देखभाल मिलती है फिर भी उनके रंग-ढंग अलग होते हैं।

उत्तर:

- फूल और काँटे एक ही पौधे पर उगते हैं, लेकिन उनके स्वभाव भिन्न होते हैं। (★)
- फूल और काँटे को समान देखभाल मिलती है फिर भी उनके रंग-ढंग अलग होते हैं। (★)

प्रश्न 3. कविता के आधार पर कौन-सा निष्कर्ष उपयुक्त है ?

- व्यक्ति का कुल ही उसके सम्मान का आधार होता है।
- व्यक्ति के कार्यों के कारण ही लोग उसका सम्मान करते हैं।
- कुल की प्रतिष्ठा हमेशा व्यक्ति के गुणों से बड़ी होती है।
- यदि व्यक्ति अच्छे कार्य करता है तो उसके कुल को प्रसिद्धि मिलती है।

उत्तर:

- व्यक्ति के कार्यों के कारण ही लोग उसका सम्मान करते हैं। (★)
- यदि व्यक्ति अच्छे कार्य करता है तो उसके कुल को प्रसिद्धि मिलती है। (★)

प्रश्न 4. कविता के अनुसार निम्नलिखित में से कौन-सा कथन 'बड़प्पन' के लिए सर्वाधिक उपयुक्त है ?

- धन-दौलत और ताकत से व्यक्ति के बड़प्पन का पता चलता है।
- कुल के बड़प्पन की प्रशंसा व्यक्ति की कमियों को ढक देती है।
- बड़प्पन व्यक्ति के गुणों, स्वभाव और कर्मों से पहचाना जाता है।
- कुल का नाम व्यक्ति में बड़प्पन की पहचान का मुख्य आधार है।

उत्तर:

- बड़प्पन व्यक्ति के गुणों, स्वभाव और कर्मों से पहचाना जाता है। (★)

(ख) हो सकता है कि आपके समूह के साथियों ने अलग-अलग या एक से अधिक उत्तर चुने हों। अपने मित्रों के साथ चर्चा कीजिए कि आपने ये उत्तर ही क्यों चुनें?

उत्तर:

1. काँटे का स्वभाव नकारात्मक होता है क्योंकि वह हमें चुभता है और दर्द देता है। कविता में भी काँटे के इसी स्वभाव का वर्णन है।

edgyanarchive

2. फूल और काँटा दोनों एक ही पौधे पर उगते हैं और एक ही तरह से बड़े होते हैं। लेकिन फिर भी उनका स्वभाव अलग होता है। फूल अपनी सुंदरता और खुशबू से सबको अच्छा लगता है। जबकि काँटा चुभकर हमें दुख देता है, इसलिए हमें उस पर गुस्सा आता है। इससे हमें यह सीखने को मिलता है कि एक ही जगह पर पलने-बढ़ने के बावजूद लोग अपने स्वभाव और कर्मों के कारण अलग-अलग बन जाते हैं।

3. किसी भी व्यक्ति की पहचान उसके अच्छे कामों और अच्छे व्यवहार से होती है। अगर कोई अच्छे काम करता है और सबका भला सोचता है, तो उसकी और उसके परिवार की इज़्ज़त बढ़ती है। इसके विपरीत, कुछ लोग बहुत बड़े परिवार में पैदा होने के बाद भी अपने बुरे कामों से अपने परिवार का नाम खराब करते हैं।

4. बड़प्पन का मतलब किसी के अच्छे कर्मों और उसके अच्छे व्यवहार से है। बड़ा वही होता है जो दूसरों को नुकसान नहीं पहुँचाता, बल्कि उनकी मदद करता है। ऐसे लोग दुनिया में बहुत नाम कमाते हैं क्योंकि वे सच्चे और अच्छे स्वभाव के होते हैं।

(विद्यार्थी अपने मित्रों के साथ चर्चा करके बताएँगे कि उनके द्वारा विकल्प चुनने के क्या कारण हैं।)

पंक्तियों पर चर्चा

पाठ में से चुनकर कुछ पंक्तियाँ नीचे दी गई हैं। इन्हें ध्यान से पढ़िए और इन पर विचार कीजिए। आपको इनका क्या अर्थ समझ में आया? अपने विचार अपने समूह में साझा कीजिए और लिखिए-

(क) "मेह उन पर है बरसता एक सा,
एक सी उन पर हवायें हैं बही।
पर सदा ही यह दिखाता है हमें,
ढंग उनके एक से होते नहीं।'

उत्तर:

प्रकृति में बादल बरसते हैं, हवाएँ बहती हैं – यह सब परिस्थितियाँ फूल और काँटे दोनों के लिए एक जैसी होती हैं। फिर भी फूल और काँटे का स्वभाव अलग होता है। इसी तरह, जब लोगों के हालात समान होते हैं, तब भी उनके स्वभाव और व्यवहार अलग-अलग हो सकते हैं। कवि ने फूल और काँटे का उदाहरण देकर यह बताना चाहा है कि इंसान का स्वभाव ही तय करता है कि वह दूसरों को फूल की तरह खुशी देगा या काँटे की तरह दुख पहुँचाएगा।

(ख) "किस तरह कुल की बड़ाई काम दे,
जो किसी में हो बड़प्पन की कसर।"

उत्तर:

केवल ऊँचे परिवार में जन्म लेना किसी की सच्ची विशेषता नहीं है। जब तक इंसान के व्यवहार में विनम्रता, दया और दूसरों की मदद करने का भाव न हो, तब तक उसका कुल या परिवार ऊँचा कहलाने लायक नहीं होता।
अगर किसी में अच्छे गुण न हों और उसका चरित्र महान न हो, तो ऊँचे परिवार में जन्म लेना भी बेकार है।

eGyanarchive

जैसे—रावण बहुत ज्ञानी और शक्तिशाली था और उच्च कुल में जन्मा था, लेकिन उसके घमंड और अधर्म ने उसका नाश कर दिया। इसके विपरीत राम भी ऊँचे परिवार से थे, लेकिन अपने अच्छे आचरण, धैर्य और धर्म के कारण वे महान बने।
इसलिए इंसान को अपने कुल का घमंड नहीं करना चाहिए, बल्कि अपने अच्छे गुणों और आचरण से परिवार और समाज का नाम ऊँचा करना चाहिए।

मिलकर करें मिलान

• इस कविता में 'फूल' और 'काँटा' के उदाहरण द्वारा लोगों के स्वभावों के अंतर और समानताओं की ओर संकेत किया गया है। दूसरे शब्दों में, 'फूल' और 'काँटा' प्रतीक के रूप में प्रयोग किए गए हैं। अपने साथियों के साथ मिलकर चर्चा कीजिए कि फूल और काँटा किस-किस के प्रतीक हो सकते हैं। इन्हें उपयुक्त प्रतीकों से जोड़िए-

दया	परोपकार
स्वार्थ	प्रेम
अच्छाई	बुराई
सुख	दुख
सुंदरता	कठोरता
कोमलता	प्रसन्नता
आनंद	पीड़ा

उत्तर:

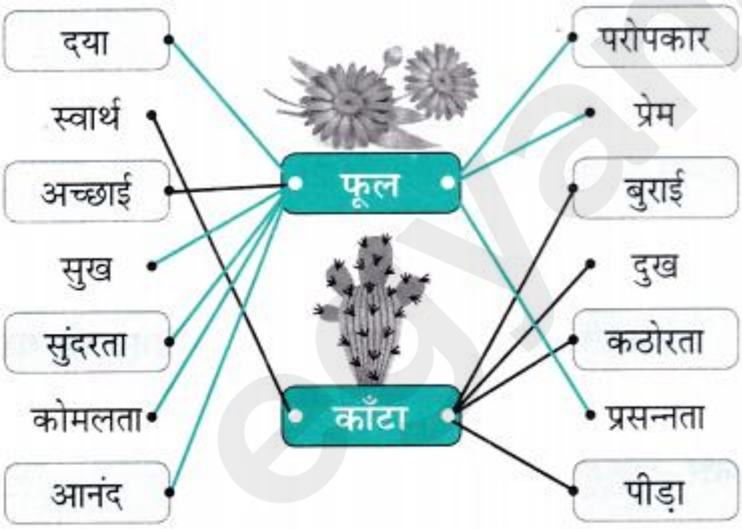

• **विद्यार्थी अपने साथियों के साथ मिलकर इनको अन्य प्रतीक के रूप में भी बता सकते हैं; जैसे-**

फूल – विनम्रता, सरलता, सज्जनता, त्याग, सेवा
काँटा – घमंड, कठोरता, बुरे गुण, कटुता, स्वार्थ

सोच-विचार के लिए

कविता को एक बार पुनः ध्यान से पढ़िए, पता लगाइए और लिखिए-

(क) कविता में ऐसी कौन-कौन सी समानताओं का उल्लेख किया गया है जो सभी पौधों पर समान रूप से लागू होती हैं?

उत्तर:

सभी पौधों पर समान रूप से लागू होने वाली समानताएँ, जिनका उल्लेख कविता में किया गया है। वे हैं-

1. एक ही धरती पर जन्म लेना।
2. रात में चाँद की चाँदनी समान रूप से पड़ना।
3. बादलों का समान रूप से बरसना।
4. हवा का समान रूप से मिलना।

(ख) आपको फूल और काँटे के स्वभाव में मुख्य रूप से कौन – सा अंतर दिखाई दिया?

उत्तर:

- **फूल** कोमल होता है, खुशबू देता है और सबके साथ प्यार से व्यवहार करता है।
- **काँटा** इसके विपरीत कठोर होता है, चुभकर दुख देता है और अहंकारी स्वभाव का होता है।

(ग) कविता में मुख्य रूप से कौन-सी बात कही गई है? उसे पहचानिए, समझिए और अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर:

इस कविता में बताया गया है कि इंसान का असली मूल्य उसके **स्वभाव** से पहचाना जाता है। हमें फूल की तरह विनम्र, सेवा करने वाले और दूसरों को खुश करने वाले बनना चाहिए। काँटे की तरह कठोर और दुख देने वाले नहीं होना चाहिए। किसी का कुल, जाति या परिस्थिति नहीं, बल्कि उसके **अच्छे कर्म और अच्छा आचरण** ही उसकी असली पहचान होते हैं।

(घ) "किस तरह कुल की बड़ाई काम दे, जो किसी में हो बड़प्पन की कसर।" उदाहरण देकर समझाइए|

उत्तर:

इस पंक्ति में यह बताया गया है कि कुल की प्रतिष्ठा तब तक कोई मायने नहीं रखती जब तक कि व्यक्ति के स्वभाव या उसके कर्मों से बड़प्पन न दिखे। इस बात को इस उदाहरण से समझा जा सकता है कि दुर्योधन जो धृतराष्ट्र का पुत्र और कुरु वंश का राजकुमार था, वह अपने अहंकार, द्वेष और अधर्म के कारण निंदनीय बना।

(ङ) "है खटकता एक सब की आँख में, दूसरा है सोहता सुर शीश पर। " लोग कैसे स्वभाव के व्यक्तियों की प्रशंसा करते हैं और कैसे स्वभाव वाले व्यक्तियों से दूर रहना पसंद करते हैं?

उत्तर:

लोग हमेशा उन व्यक्तियों की प्रशंसा करते हैं जो **फूल की तरह विनम्र, दयालु और दूसरों का भला करने वाले** हों। इसके विपरीत, जो लोग **काँटे की तरह कठोर, स्वार्थी और नुकसान पहुँचाने वाले** होते हैं, उनसे लोग दूर रहना पसंद करते हैं।

egyanarchive

अनुमान और कल्पना से

(क) कल्पना कीजिए कि चाँदनी, हवा और मेघ केवल एक पौधे पर बरसते हैं। बाकी पौधे इन सबके बिना कैसे दिखेंगे और उनके जीवन पर इसका क्या प्रभाव होगा?

उत्तर:

- अगर **चाँदनी** न हो तो पौधे अंधेरे में रहकर मुरझाने लगेंगे, क्योंकि उन्हें रात में ठंडी रोशनी नहीं मिलेगी।
- अगर **हवा** न हो तो पौधे ठीक से नहीं बढ़ पाएँगे, उनकी पत्तियाँ सूखकर गिरने लगेंगी।
- अगर **मेघ का जल** न मिले तो पौधे प्यासे रह जाएँगे, मिट्टी सूख जाएगी और उनका जीवन खत्म हो जाएगा।
- इस तरह चाँदनी, हवा और पानी के बिना पौधे कमजोर और मुरझाए हुए दिखेंगे।

(ख) यदि सभी पौधे एक जैसे होते तो दुनिया कैसी लगती?

उत्तर:

अगर सभी पौधे एक जैसे होते – उनकी पत्तियाँ, फूल का रंग और खुशबू सब समान होतीं – तो दुनिया बहुत नीरस और उबाऊ लगती। इसमें कोई नयापन या विविधता न होती। ऐसी स्थिति में मनुष्य को भी प्रकृति से कोई प्रेरणा नहीं मिल पाती और उसका जीवन बेरंग हो जाता।

(ग) यदि काँटे न होते और हर पौधा केवल फूलों से भरा होता तो क्या होता?

उत्तर:

काँटे पौधों की रक्षा करते हैं। अगर हर पौधे पर सिर्फ फूल होते और काँटे न होते, तो जानवर और पक्षी आसानी से फूलों को खराब कर देते। खासकर रेगिस्तानी और कठोर जलवायु वाले क्षेत्रों में पौधे काँटों के बिना जीवित ही नहीं रह पाते।

(घ) कल्पना कीजिए कि एक तितली काँटे से मित्रता करना चाहती है, उनके बीच कैसा संवाद होगा?

उत्तर:

तितली का काँटे से संवाद कुछ इस प्रकार का होगा-

तितली – काँटे भैया! आज धूप कितनी तेज है, पर तुम तो हमेशा जैसे ही दिखते हो।

काँटा – हाँ तितली बहन, मैं तो ऐसा ही हूँ। तुम्हारी तरह रंग-बिरंगा और मुलायम होना मेरे नसीब में नहीं।

तितली – अरे! ऐसा मत सोचो। तुम्हारे बिना तो फूलों की रक्षा ही नहीं हो पाएगी।

काँटा – (हैरानी से) सच? लेकिन मुझे तो सब देखकर डरते हैं।

तितली – (हँसते हुए) बाहर से तुम कठोर हो, पर अंदर से तुम्हारे मन में भी जीवन के लिए प्यार है। तुम फूलों के रक्षक हो।

काँटा – (मुस्कुराकर) धन्यवाद तितली बहन! तुम्हारी बातें सुनकर मन खुश हो गया। अब हम अच्छे दोस्त हैं।

तितली – बिल्कुल! आज से हम पक्के दोस्त हैं।

(ङ) कल्पना कीजिए कि आपको किसी काँटे, फूल या दोनों के गुणों के साथ जीवन जीने का अवसर मिलता है। आप किसके गुणों को अपनाना चाहेंगे? कारण सहित बताइए।

उत्तर:

मैं फूल और काँटे – दोनों से सीख लेना चाहूँगा/चाहूँगी।

- **फूल** हमें कोमलता, मधुरता, प्रेम और करुणा सिखाते हैं।
- **काँटे** हमें यह बताते हैं कि कठिन परिस्थितियों में कैसे डटे रहना है। वे हमें मजबूत बनने और मुश्किलों का सामना करने की प्रेरणा देते हैं।

शब्द से जुड़े शब्द

• नीचे दिए गए रिक्त स्थानों में 'बड़प्पन' से जुड़े शब्द अपने समूह में चर्चा करके लिखिए-

उत्तर:

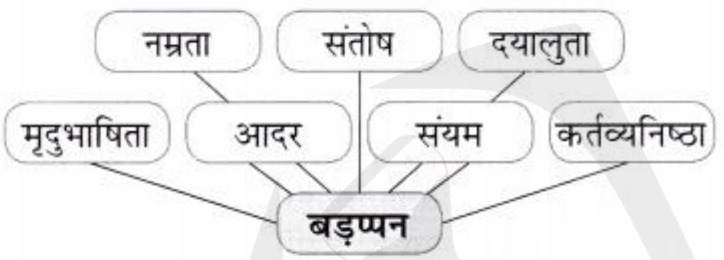

(विद्यार्थी समूह में चर्चा कर अन्य शब्द भी लिख सकते हैं।)

बड़प्पन

• नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं जो किसी भाव को व्यक्त करते हैं। इनमें से जो शब्द 'बड़प्पन' के भाव को व्यक्त करते हैं, उन पर एक गोला बनाइए, जो बड़प्पन का भाव व्यक्त नहीं करते हैं, उनके नीचे रेखा खींचिए।

उत्तर:

सहनशीलता	दया	अहंकार	विश्वास	घमंड	ईर्ष्या
द्वेष	प्रतिशोध	क्रूरता	उदारता	विनम्रता	त्याग
संतोष	समर्पण	आदर	सम्मान	निष्ठा	परोपकार
सद्भावना	स्वार्थ	अपमान	अविश्वास	झूठ	अधीरता
लालच	झगड़ालूपन				

कविता की रचना

"फूल लेकर तितलियों को गोद में,
भौंर को अपना अनूठा रस पिला।
निज सुगंधों औ निराले रंग से,
है सदा देता कली का जी खिला।"

इस पंक्ति में रेखांकित शब्द पर ध्यान दीजिए। क्या आपने इस शब्द को पहले कहीं पढ़ा है? यह शब्द है – 'और'। कविता में 'र' वर्ण नहीं लिखा गया है। कई बार बोलते हुए हम शब्द की अंतिम ध्वनि उच्चरित नहीं करते हैं। कवि

भी कविता की लय के अनुसार ऐसा प्रयोग करते हैं। इस कविता में ऐसी अनेक विशेषताएँ छिपी हैं, जैसे- 'प्यार में डूबी तितलियों' के स्थान पर 'प्यार- डूबी तितलियों' का प्रयोग किया गया है। हर दूसरी पंक्ति का अंतिम शब्द मिलती-जुलती ध्वनि वाला यानी 'तुकांत' है आदि।

(क) अपने समूह के साथ मिलकर इन विशेषताओं की सूची बनाइए। अपने समूह की सूची को कक्षा में सबके साथ साझा कीजिए।

उत्तर:

भाषायी विशेषताओं की सूची निम्नलिखित रूप से बनाई जा सकती है-

- कविता को गाने जैसी मधुरता देने के लिए शब्दों का विशेष क्रम लगाया गया है।
  उदाहरण – "हैं जनम लेते जगह में एक ही"
- तुकांत (मिलते-जुलते अंत वाले) शब्दों से कविता में संगीत जैसा आनंद आया है।
  उदाहरण – पालता–डालता, बही–नहीं
- कविता में प्रतीकात्मक भाषा (लाक्षणिकता) का प्रयोग किया गया है।
  उदाहरण – "फूल लेकर तितलियों की गोद में"
- कविता में **उपमा अलंकार** का सुंदर प्रयोग हुआ है।
  उदाहरण – "जीवन एक फूल की तरह है और कठिनाइयाँ काँटों की तरह"

(नीचे दी गई विशेषताओं की सूची को भी सूची में शामिल कर सकते हैं।)

(ख) नीचे इस कविता की कुछ विशेषताएँ और वे पंक्तियाँ दी गई हैं जिनमें ये विशेषताएँ झलकती हैं। विशेषताओं का सही पंक्तियों से मिलान कीजिए। आप कविता की पंक्तियों में एक से अधिक विशेषताएँ भी ढूँढ़ सकते हैं।

कविता की विशेषताएँ	कविता की पंक्तियाँ
1. एक ही वर्ण से शुरू होने वाले दो शब्द एक ही पंक्ति में साथ-साथ आए हैं।	1. किस तरह कुल की बड़ाई काम दे
2. मुहावरे का प्रयोग किया गया है।	2. भौंर को अपना अनूठा रस पिला
3. प्रश्न पूछा गया है।	3. फाड़ देता है किसी का वर बसन
4. प्राकृतिक वस्तुओं, जैसे— पेड़-पौधों में मानवीय कार्यों और भावनाओं का वर्णन किया गया है।	4. है खटकता एक सब की आँख में, दूसरा है सोहता सुर शीश पर
5. एक-दूसरे के विपरीत अर्थ वाले शब्दों का प्रयोग किया गया है।	5. है सदा देता कली का जी खिला
	6. फूल लेकर तितलियों को गोद में

उत्तर:

1. – 2, 4
2. – 4, 5
3. – 1
4. – 2, 6
5. – 4

eGyanArchive

कविता का सौंदर्य

(क) आगे कविता की कुछ पंक्तियाँ दी गई हैं। इनमें कुछ शब्द हटा दिए गए हैं और साथ में मिलते-जुलते अर्थ वाले शब्द भी दिए गए हैं। इनमें से प्रत्येक शब्द से वह पंक्ति पूरी करके देखिए जो शब्द उस पंक्ति में जँच रहे हैं, उन पर घेरा बनाइए।

उत्तर:

1.

हैं जनम लेते जगह में एक ही,
एक ही पौधा उन्हें है पालता।
.... (रात, रात्रि, रजनी, निशा) में उन पर चमकता
.... (शशि, चंद्रमा, चाँद, राकेश, इंदु) भी,
एक ही सी चाँदनी है डालता।

2.

.... (मेह, बादल, मेघ, जलद) उन पर है बरसता
एक सा,
एक सी उन पर .... (वायु, पवन, समीर, मारुत,
बयारें, हवायें) हैं बही।
पर सदा ही यह दिखाता है हमें,
ढंग उनके एक से होते नहीं।

(ख) अपने समूह में चर्चा करके पता लगाइए, कि कौन-सा शब्द रिक्त स्थानों में सबसे अधिक साथियों को जँच रहा है और क्यों?

उत्तर:

कविता की इन पंक्तियों में सबसे अधिक वही शब्द जँच रहे हैं जिनका प्रयोग कवि द्वारा किया गया है। इनके अतिरिक्त कुछ और शब्द भी चिह्नित किए गए हैं; जो कि जँच रहे हैं। कारण यह है कि तत्सम शब्दों के तत्सम शब्द; देशज शब्दों के साथ देशज शब्द तथा तद्भव शब्दों साथ तद्भव शब्दों का प्रयोग अच्छा लगता है।

विशेषण

"भौंर का है बेध देता श्याम तन।"

'श्याम तन' का अर्थ है- काला शरीर। यहाँ 'श्याम' शब्द भँवरे के 'शरीर' की विशेषता बता रहा है, अर्थात् 'श्याम' 'विशेषण' है। 'तन' एक संज्ञा शब्द है जिसकी विशेषता बताई जा रही है अर्थात् 'तन' 'विशेष्य' शब्द है।

(क) नीचे दी गई पंक्तियों में विशेषण और विशेष्य शब्दों की पहचान करके लिखिए-

उत्तर:

पंक्ति	विशेषण	विशेष्य
1. भौंर का है बेध देता श्याम तन	श्याम	तन
2. फाड़ देता है किसी का वर बसन	वर	बसन
3. भौंर को अपना अनूठा रस पिला	अनूठा	रस
4. निज सुगंधों औ निराले ढंग से	निराले	ढंग

(ख) नीचे दिए गए विशेष्यों के लिए अपने मन से विशेषण सोचकर लिखिए-

1. फूल ________ ________
2. काँटा ________ ________
3. मेह ________ ________
4. चाँद ________ ________
5. रात ________ ________

उत्तर:
1. सुंदर, रंग-बिरंगे
2. मोटा, नुकीला
3. घना, काला
4. आधा, पूरा
5. अँधेरी, डरावनी

पाठ से आगे

आपकी बात

(क) यदि आपको फूल और काँटे में से किसी एक को चुनना हो तो आप किसे चुनेंगे और क्यों?

उत्तर:
मैं फूल को चुनूँगा / चुनूँगी क्योंकि वह दूसरों को खुशियाँ बाँटता है। लोगों के जीवन में सुगंध और सुंदरता भर देता है। फूल की भाँति हम भी लोगों में प्रेम, खुशियाँ आदि बाँटने का कार्य कर सकते हैं।

egyanarchive

(ख) कविता में बताया गया है कि फूल अपनी सुगंध और व्यवहार से चारों ओर प्रसन्नता और आनंद फैला देता है। आप अपने मित्रों या परिवार के जीवन में प्रसन्नता और आनंद लाने के लिए क्या-क्या करते हैं और क्या-क्या कर सकते हैं?

<u>उत्तर:</u>

क्या–क्या करते हैं (मैं अभी करता/करती हूँ)

- बड़ों की बात मानता/मानती हूँ।
- घर के छोटे कामों में माँ की मदद करता/करती हूँ (जैसे चीज़ें सही जगह पर रखना)।
- मित्रों को हँसाता/हँसाती हूँ।
- मित्रों से ईर्ष्या नहीं करता/करती।
- अपना सामान उनके साथ बाँटता/बाँटती हूँ।

क्या–क्या कर सकते हैं (आगे और भी कर सकते हैं)

- अपनी गलती के लिए परिवार और मित्रों से क्षमा माँग सकते हैं।
- उनकी बातें ध्यान से सुन सकते हैं।
- बड़ों के साथ बैठकर बातें कर सकते हैं।
- मित्रों को सरप्राइज़ दे सकते हैं।
- खुले दिल से उनकी प्रशंसा कर सकते हैं।
- दादा-दादी / नाना-नानी के साथ समय बिता सकते हैं।

(ग) 'फूल' और 'काँटे' एक-दूसरे से बिलकुल भिन्न हैं। फिर भी साथ-साथ पाए जाते हैं। अपने आस-पास से ऐसे अन्य उदाहरण दीजिए।
(संकेत – वस्तुएँ, जैसे- नमक और चीनी; स्वभाव, जैसे- शांत और क्रोधी; स्वाद, जैसे- खट्टा-मीठा; रंग, जैसे- काला-सफेद, अनुभव, जैसे- सुख-दुख आदि)

<u>उत्तर:</u>

- वस्तुएँ – आग–पानी
- स्वभाव – दयालु–निर्दयी
- स्वाद – फ़ीका–चटपटा
- रंग – श्वेत–श्याम
- अनुभव – आशा–निराशा

(घ) "छेद कर काँटा किसी की उँगलियाँ, फाड़ देता है किसी का वर बसन।" आप अपने आस-पास की किसी समस्या का वर्णन कीजिए, जिसे आप 'काँटे' के समान महसूस करते हैं। उस समस्या का समाधान भी सुझाइए|

<u>उत्तर:</u>

समस्या (काँटे जैसी चुभन)

egyanarchive

मेरे आस-पास की एक बड़ी समस्या है – **कठोर भाषा या बुरे शब्दों की चोट।**
जब कोई गुस्से या मज़ाक में गलत शब्द बोल देता है, तो वह हमारे दिल को वैसे ही चुभता है जैसे काँटा उँगली में चुभ जाता है।

समाधान

- बोलने से पहले सोचें कि हमारे शब्द किसी को चोट तो नहीं पहुँचाएँगे।
- हर व्यक्ति की भावनाओं की कद्र करनी चाहिए।
- अगर गलती से कठोर शब्द कह दिए हों, तो तुरंत **माफ़ी माँग लेनी चाहिए।**
- ऐसा करने से रिश्ते मज़बूत होते हैं और हम भी अच्छे इंसान बनते हैं।

सृजन

(क) इस कविता के बारे में एक चित्र बनाइए। आप चित्र में जहाँ चाहें, अपने मनोनीत रंग भर सकते हैं। आप बिना रंगों या केवल उपलब्ध रंगों की सहायता से भी चित्र बना सकते हैं। चित्र बिलकुल मौलिक लगे इसकी चिंता करने की भी आवश्यकता नहीं है। आप अपनी कल्पना को जैसे मन करे, वैसे साकार कर सकते हैं।

उत्तर:

(विद्यार्थी अपनी कल्पना को उड़ान देते हुए इस कविता पर आधारित चित्र बनाएँगे।)

(ख) मान लीजिए कि फूल और काँटे के बीच बातचीत हो रही है। उनकी बातचीत या संवाद अपनी कल्पना से लिखिए। संवाद का विषय निम्नलिखित हो सकता है-

- उनके गुणों और विशेषताओं पर चर्चा।
- यह समझाना कि उनका जीवन में क्या योगदान है।

उदाहरण-

फूल – मैं दूसरों के जीवन में सुगंध और सुख फैलाने आया हूँ।
काँटा – और मैं संघर्ष की याद दिलाने और सुरक्षा देने के लिए आया हूँ।

उत्तर: -

फूल – (मुसकराते हुए) नमस्ते काँटे भाई ! लोग मुझे देखकर खुश होते हैं, मेरी खुशबू से महकते हैं। कहते हैं कि मैं सुंदरता और प्रेम का प्रतीक हूँ।
काँटा – (थोड़ा गंभीर होकर) नमस्ते फूल भाई ! तुम्हारी कोमलता और महक सचमुच मन को भाती है। लेकिन क्या तुम जानते हो कि अगर मैं न होता, तो तुम्हारी यह सुंदरता कोई भी आसानी से छीन लेता।
फूल – (चौंकते हुए) बिलकुल सही कहा ! तुम तो मेरी रक्षा करते हो। जब भी कोई मुझे तोड़ने आता है, उसका पहले तुमसे सामना होता है।
काँटा – (गर्व से) हाँ, मैं भले ही कठोर हूँ, पर मेरा उद्देश्य सिर्फ़ सुरक्षा है। मैं संघर्ष और सहनशीलता का प्रतीक हूँ। जीवन में हर चीज़ कोमल नहीं होती, कभी-कभी कठोरता भी ज़रूरी होती है।
फूल – (सोचते हुए) सच है। मैं तो सभी को सौंदर्य, प्रेम और शांति देता हूँ, लेकिन तुम्हारे बिना मेरी पहचान अधूरी है। अगर तुम न हो, तो मैं सुरक्षित नहीं।
काँटा – और मैं, जिसे लोग नापसंद करते हैं, दरअसल उन्हें यह सिखाता हूँ कि जीवन में हर सुंदर चीज़ के साथ कुछ

कठिनाइयाँ भी होती हैं, जैसे तुम्हारे साथ मैं हूँ।
फूल – (मुसकराकर) तुम्हारी बातों से तो आज मुझे भी नई सीख मिली। कोमलता और कठोरता, दोनों मिलकर ही जीवन को संतुलित बनाते हैं।
काँटा – हाँ, और इसी से हमारी पहचान है कि एक प्रेम और सौंदर्य देता है, दूसरा साहस और सुरक्षा। दोनों की बराबर ज़रूरत है।

वाद-विवाद

विभिन्न समूह बनाकर कक्षा में एक वाद-विवाद गतिविधि का आयोजन कीजिए। इसके लिए विषय है— 'जीवन में फूल और काँटे, दोनों की आवश्यकता होती है'।
कक्षा में वाद-विवाद गतिविधि का आयोजन करने के लिए कुछ सुझाव निम्नलिखित हैं-

1. आपकी कक्षा में पहले से सात-आठ समूह बने होंगे। आधे समूह 'फूल' के पक्ष में तर्क देंगे। आधे समूह 'काँटे' के पक्ष में तर्क देंगे।
2. एक समूह निर्णायक मंडल की भूमिका निभाएगा। निर्णायक मंडल का काम होगा—
   - तर्कों को ध्यान से सुनना।
   - प्रस्तुति शैली और तर्कों की गहराई के आधार पर अंकों का निर्धारण करना।
3. प्रत्येक समूह को तैयारी के लिए 15 मिनट का समय मिलेगा ताकि वे अपने तर्क तैयार कर सकें। सभी समूह अपने-अपने तर्क मिलकर सोचेंगे और लिखेंगे।
4. प्रत्येक समूह को अपने पक्ष में बोलने के लिए तीन-चार मिनट का समय मिलेगा। दूसरा समूह पहले समूह के तर्कों पर एक-दो मिनट में उत्तर देगा या उनसे प्रश्न पूछेगा।
5. सभी प्रतिभागियों को एक-दूसरे की बात ध्यान से सुननी होगी। बीच में टोकने की अनुमति किसी को नहीं होगी।
6. सभी समूहों का क्रम तय किया जाएगा। वाद-विवाद के लिए क्रम इस प्रकार हो सकता है—
   - समूह 1 (फूल के पक्ष में)
   - समूह 2 (काँटे के पक्ष में)
   - समूह 3 (फूल के पक्ष में)
   - समूह 4 (काँटे के पक्ष में)
7. जो और इसी क्रम से आगे बढ़ें।
   समूह निर्णायक मंडल का कार्य कर रहा है, वह वाद-विवाद के अंतराल में तर्क, भाषा कौशल और प्रस्तुति शैली के आधार पर अंकों का निर्धारण करेगा।
8. निर्णायक मंडल अंकों के आधार पर विजेता समूह का निर्णय करेगा।
9. समूहों के प्रयासों के लिए तालियाँ बजाएँ और उनकी प्रशंसा करें। संभव हो तो विजेता समूह को कोई पुरस्कार या प्रमाणपत्र दिया जा सकता है।
10. विद्यार्थी वाद-विवाद गतिविधि के अनुभवों पर एक अनुच्छेद भी लिख सकते हैं।

उत्तर:

- कक्षा में विद्यार्थियों के विभिन्न समूह बनाकर इस वाद – विवाद गतिविधि का आयोजन किया जाएगा तथा पाठ्यपुस्तक की पृष्ठ संख्या-38 पर दिए गए सभी बिंदुओं को ध्यान में रखकर समूह अपनी प्रस्तुति देंगें।

आज की पहेली

• नीचे कुछ ऐसे पेड़-पौधों के चित्र दिए गए हैं, जिनमें फूल और काँटे साथ-साथ पाए जाते हैं। चित्रों को सही नामों के साथ रेखा खींचकर जोड़िए-

उत्तर:

1. **बबूल**

फूल	पीले या सफेद छोटे गुच्छेदार।
काँटे	लंबे और नुकीले।
विशेषता	इसका उपयोग ईंधन, चारा और औषधियों में किया जाता है।

2. **गुलाब**

फूल	विभिन्न रंगों में, विशेष रूप से लाल, सफेद, और गुलाबी।
काँटे	तने पर छोटे और तीखे।
विशेषता	सजावटी पौधा और इत्र बनाने के लिए प्रसिद्ध।

3. **नागफनी**

फूल	रंग-बिरंगे, पीले, नारंगी या गुलाबी।
काँटे	पूरी सतह पर छोटे या लंबे।
विशेषता	सूखे क्षेत्रों में पाया जाता है और सजावटी पौधे के रूप में भी उगाया जाता है।

4. **बेर**

फूल	छोटे और हल्के पीले।
काँटे	शाखाओं पर छोटे-छोटे।
विशेषता	इसके फल खाद्य और औषधीय होते हैं।

5. **करौंदा**

फूल	छोटे, सफेद और सुगंधित।
काँटे	शाखाओं पर छोटे-छोटे और तीखे।
विशेषता	फूल सजावटी और मधुर सुगंध वाले होते हैं। इसके फल से अचार, जैम और जेली बनाई जाती हैं। यह शुष्क और पहाड़ी क्षेत्रों में उगता है।

6. **नीबू**

फूल	छोटे, सफेद और हल्की गुलाबी छाया लिए हुए। सुगंधित और गुच्छेदार।
काँटे	शाखाओं पर छोटे और तीखे काँटे।
विशेषता	फल खट्टे और विटामिन सी से भरपूर होते हैं। इनका उपयोग पेय पदार्थ, अचार, औषधियों और खाना बनाने में किया जाता है।

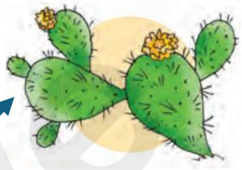

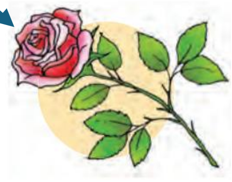
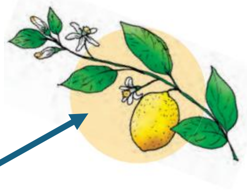
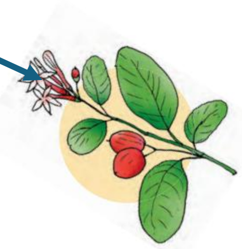

खोजबीन के लिए

- रंग-बिरंगे फूलों से https://www.youtube.com/watch?v=rIXpoQy4sHc
- फूलों की घाटी में – कविता https://www.youtube.com/watch?v=yyrbxCtbgWg